प्रेस प्रकाशनी PRESS RELEASE

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA

वेबसाइट : www.rbi.org.in/hindi
Website : www.rbi.org.in
ई-मेल/email : helpdoc@rbi.org.in

संचार विभाग, केंद्रीय कार्यालय, शहीद भगत सिंह मार्ग, फोर्ट, मुंबई - 400 001

Department of Communication, Central Office, Shahid Bhagat Singh Marg, Fort, Mumbai - 400 001 फोन/Phone: 022 - 2266 0502

5 मार्च 2024

भारतीय रिज़र्व बैंक वर्किंग पेपर सं. 01 /2024:
लिमिट ऑर्डर मार्केट में इंटरडीलर ओटीसी डेरिवेटिव्स का मूल्य निर्धारण

भारतीय रिज़र्व बैंक ने आज अपनी वेबसाइट पर भारतीय रिज़र्व बैंक वर्किंग पेपर शृंखला[1] के अंतर्गत "लिमिट ऑर्डर मार्केट में इंटरडीलर ओटीसी डेरिवेटिव्स का मूल्य निर्धारण" शीर्षक से एक वर्किंग पेपर जारी किया। पेपर का सह-लेखन विद्या कामते और अभिषेक कुमार ने किया है।

यह पेपर भारत में ओवरनाइट इंडेक्स्ड स्वैप (ओआईएस) पर इंटरडीलर व्यापर-स्तरीय डेटा का उपयोग करके अलग-अलग चलनिधि आवश्यकताओं वाले व्यापारियों द्वारा संचालित इंटरडीलर बाजार में व्यापारिक व्यवहार और कीमतों का परीक्षण करता है।

विश्लेषण इस बात पर प्रकाश डालता है कि:

i) पिछली तिमाही में व्यापारियों के ट्रेडिंग वॉल्यूम के निचले स्तर के कारण निष्क्रिय निवेशकों को सेंट्रल लिमिट ऑर्डर बुक (सीएलओबी) स्थल के बाहर कारोबार करने पर सक्रिय निवेशकों की तुलना में कम लाभ मिला, लेकिन उन्हें इस पर अपेक्षाकृत बेहतर लाभ प्राप्त हुआ।

ii) सक्रिय निवेशकों ने सीएलओबी (तेज़ स्थलों) पर व्यापार को प्राथमिकता दी, जो उनकी गति प्राथमिकता के आधार पर उनके स्थल चुनाव के अनुरूप था।

iii) निष्क्रिय व्यापारियों ने सीमा आदेश प्रस्तुत किए और धीमी निष्पादन का सामना किया जबकि सक्रिय व्यापारियों ने बाजार आदेश प्रस्तुत किए और सीएलओबी पर त्वरित निष्पादन प्राप्त किया।

(योगेश दयाल)
मुख्य महाप्रबंधक

प्रेस प्रकाशनी: 2023-2024/2003

[1] भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने रिज़र्व बैंक वर्किंग पेपर शृंखला की शुरुआत मार्च 2011 में की थी। ये पेपर भारतीय रिज़र्व बैंक के स्टाफ सदस्यों और कभी-कभी बाहरी सह-लेखकों, जब अनुसंधान संयुक्त रूप से किया जाता है, के अनुसंधान की प्रगति पर शोध प्रस्तुत करते हैं। इन्हें टिप्पणियों और अतिरिक्त चर्चा के लिए प्रसारित किया जाता है। इन पेपरों में व्यक्त विचार लेखकों के हैं और जरूरी नहीं कि वे जिस संस्थान (संस्थाओं) से संबंधित हैं, उनके विचार हों। अभिमत और टिप्पणियां कृपया लेखकों को भेजी जाएं। इन पेपरों के उद्धरण और उपयोग में इनके अनंतिम स्वरूप का ध्यान रखा जाए।